Monday, 05 October 2020 www.LNCTU.ac.in

एलएनसीटी विश्वविद्यालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर वेबिनार सम्पन्न



ऐसा कहा जाता है कि देश की सम्पत्ति वहां रहने वाले लोगों की सेहत से कायम रहती है।अगर किसी कारण वश हमारी सेहत खराब होती है तो ऐसे में दवाइया ही सहारा होती है जो हमें उन बीमारियों से उबारती है , और इन्हीं दवाइयों को बनाने के पीछे हमारे देश के फार्मासिस्ट का बहुत बड़ा योगदान है।

25 सितंबर को एलएनसीटी विश्वविद्यलय के फार्मेसी विभाग द्धारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया गया।जिसका मुख्य विषय था ,किस प्रकार फार्मेसीस्ट विश्व के स्वास्थ्य को बदलने में अपना योगदान दे रहे हैं।

कोरोना महामारी के यह कार्यक्रम वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

इस वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष डॉक्टर शैलेन्द्र सराफ एवं विशेष अतिथि के रूप में फार्मेसी विश्वविद्यालय औरगाबाद के डॉक्टर राजेश बी. नवाले उपस्थित थे।

इस अवसर पर एलएनसीटी विश्वविद्यालय के चांसलर जय नारायण चौकसे , सेकेट्री डॉक्टर अनुपम चौकसे एव कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर एन के थापक उपस्थित थे।

फार्मेरी विभाग की प्रिंसिपल डॉक्टर पारुल मेहता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता डॉक्टर शैलेंद्र सराफ ने फार्मेसी का इतिहास बताया और समझाया कि फार्मेसिस्ट का कितना बंडा महत्व है। उन्होंने यह भी कहा कि 'बहजन– हिताय बहजन संख्राय.' जिसका अर्थ है अधिकाधिक लोगों के हित के लिए एवं अधिकाधिक लोगों के सुख के लिए। उनका कहने का तात्पर्य यह था कि फार्मासिस्ट अपने कार्य से अधिकतर लोगों का हित करते आ रहे हैं।

अंततः उन्होंने डॉ कलाम के विचारों पर रोशनी डालते हुए कहा कि अपने कार्य पर ध्यान दें और तब तक करते रहे जब तक आप अपने सपनों को हासिल ना कर सके।

कार्यक्रम में डॉक्टर राजेश. बी. नवाले ने टेक्नोलॉजी का उत्तम उपयोग करते हुए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्धारा बताया कि कोरोना काल के पहले एवं बाद में कैसे ड़ग्स डेवलपमेंट हुआ, उन्होंने बताया की मास्क और सामाजिक दूरी का हमेशा पालन करना है एवं हमें अब इस न्यू नॉर्मल के हिसाब से जीना है। कार्यक्रम के अत मे उन्होंने बच्चों के सवालों के जवाब भी दिए।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष में फार्मेसी विभाग द्धारा ई पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसका पुरस्कार वितरण भी इसी कार्यक्रम में किया गया।जिसमें ई– पोस्टर के प्रथम विजेता मोहम्मद मिजक उल हकँ रहे वहीं चित्रकला में प्रथम पुरुस्कार शैयद नेहा फातिमा को मिला।

RESULTS OF E-POSTER COMPETETION

RESULTS OF DRAWING COMPETETION

कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ फार्मेसी की प्रिंसिपल डॉक्टर पारुल मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री विशाल श्रीवास्तव एवं डॉ आशीष जैन द्धारा किया गया।

STUDENTS ACTIVITIES

MOHAMMED MISBAH UL HAQ

SYEDA NEHA FATIMA

DECCAN SCHOOL OF PHARMACY

– सुप्रिया चौकसे

MRANALI CHAVHAN

PHARMACISTS TRANSFORMING GLOBAL HEALT

एलएनसीटी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एव जनसचार विभाग द्धारा वेबीनार का आयोजन





दिनांक १ अक्टूबर को विश्व विद्यालय के सभागार में जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के द्धारा ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया. इस वेबीनार का विषय महामारी के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता में जनसचार की भूमिका था. मुख्य वक्ता के रूप में अनिल गुलाटी (संचार विशेषज्ञ यूनिसेफ,मध्य प्रदेश) एव शशिकात तिवारी (हेल्थ रिपोर्टर, नवदुनिया) उपस्थित थें , उन्होंने अपने व्यक्तव में जनसंचार की भिमका का वर्णन करते हुए कहा कि इस महामारी के दौर में जनता को जागरूक करने के लिए मीडिया की प्रमुख

गुलाटी जी ने कहा महामारी का यह दौर वास्तव में इफोड़ेमिक है. इस दौर में सूचनाओं का अतिरेक प्रचार-प्रसार है और इस समय मीडिया कर्मियों का यह दायित्व है कि वह झूठी सूचनाओं के प्रचार-प्रसार पर अक्श लगाने का प्रयत्न करें और कोशिश करें कि भ्रामक सूचनाओं का प्रसार ना हो पाए. वहीं शशिकात तिवारी जी ने अपने उद्धोधन में हेल्प रिपोर्टिंग की चुनौतियों को समझाते हुए कहा कि महामारी के इस दौर में आज की पत्रकारिता किसी युद्ध के समय की पत्रकारिता या आजादी के समय की

वही क्लपति जी ने उद्घोधन में कहा कि मीडिया को इस महामारी के दौर में झुठी एवं भ्रामक सूचनाओं से प्रचार-प्रसार पर ध्यान देना होगा तथा पब्लिक को सही सूचनाए प्रदान करनी होगी . इसी से मीडिया अपनी

मीड़िया विश्वसनीयता बनाए रख सकता है. इस अवसर पर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनु श्रीवास्तव, फैंकेल्टी मेंबर्स व छात्रों ने ऑनलाइन सहभागिता की. डॉ. अनु श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ताओं और प्रबंधन व क्लपति जी का धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा श्रुति गोयल ने किया. इस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं ने विषय से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं को मुख्य वक्ताओं के समक्ष रखा जिसका समाधान

SEMESTER: 7 (FINAL YEAR)

COPD:

NAME: ADARSH KUMAR SON

EMAIL: ADARSH.KR.SONI@GMAIL.COM

(Chronic Obstructive Pulmonary Disease)

Definition: - Chronic obstructive pulmonary disease (COPD) is a lunc

disease characterized by chronic obstruction of lung airflow that interferes

with normal breathing and is not fully reversible!!

New Discovery: The U.S. Food and Drug Administration (FDA) has approved a n medication, Stiolto Respimat, to treat chronic obstructive pulmonary disease!

ADARSH KUMAR SONI LNCT University, Bhopal

WADHA NAWAL ZAFFER

Deccan school of pharmacy

– आरती अहिरवार

4LNC7 UNIVERSITY

एलएनसीटी विश्वविद्यालय में ऑनलाईन परीक्षा का आयोजन एव परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय भोपाल में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग व महामहिम राज्यपाल महोदय द्धारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, AICTE, BCI, PCI, INC, DCI के द्धारा समय-समय पर जारी ऑनलाईन एजुकेशन, ऑनलाईन परीक्षा के आयोजन के संदर्भ में दी गयी गाईडलाईन के अनूसार Online Examination, Online Viva Voce, Online Dissertation Presentation का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया तथा शासन द्धारा निर्धारित तिथि के पूर्व सभी कक्षाओं के परीक्षाफल भी घोषित कर दिये गये हैं।

परीक्षाओं से संबंधित टाईम टेबल व समस्त जानकारी विश्वविद्यालय पोर्टल पर उपलब्ध कराई गयी है तथा MCI के निर्देशानुसार मेडीकल अतिम वर्ष की परीक्षाए ऑफलाईन माध्यम में आयोजित करने हेतू म.प्र.शासन द्धारा विद्यार्थियों के लिये जारी निर्देशानुसार सभी विद्यार्थियों को शारीरिक दूरी का अनिवार्य रूप से पालन करना, परीक्षा कक्ष में प्रवेश के पूर्व टेम्परेचर लेना, परीक्षा के दौरान मास्क लगाना अनिवार्य राखा गया तथा विश्वविद्यालय प्रवधन द्धारा सभी विद्यार्थियों को मास्क एवं सेनेटाईजर निःशूल्क दिये गये।

परीक्षा पूर्ण होने पर नियमानुसार मूल्याकन प्रक्रिया के पूर्व शासन द्धारा निर्धारित तिथि 30 सितम्बर 2020 के पूर्व सभी परीक्षा परीणाम घोषित

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नरेन्द्र कुमार थापक ने बताया कि आगामी 14 अक्टूबर से सभी कक्षाओं कि आनलाईन कक्षाएँ नियमित स्प से प्रारंभ कर दी जायेगी।

अगर तू बना ले जिंदगी का उसूल यही

जागरूक तू बन और सबको बना

समझा सबको सफाई का मूल्य यही

CORONAVIRUS PREVENTION

wash your hands at least 20 seconds

– अलोफया सफी

रवच्छ है तभी हम सब स्वस्थ हैं अगर कर ले तू मन में सकल्प यही

घर में गली में मोहल्ले और शहरों में दिखे ना कतरा भर भी धूल कहीं छाऐगी खुशिया हर जगह जगह

एलएनसीटी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई जिसके कुलाधिपति श्री जय नारायण चौकसे जी है।





COURSE OFFERED

JOURNALISM & MASS COMMUNICATION



47440777222, 7440777111

WORKING TOWARDS BEING THE BEST







Vol- 2 | Pages- 4

FOR INTERNAL CIRCULATION ONLY

HIGHLIGHTS

www.LNCTU.ac.in

A journalist peculiar function

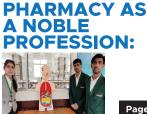
expression to that mind....

is to read the mind of the country

and to give definite and Fearless

Quote of the month

- Mahatama Gandhi





Monday, 05 October 2020





HON'BLE J.N.CHOUKSEY **CHANCELLOR LNCTU**

श्री जय नारायण चौकसे का जन्म पेंडा (बिलासपुर) एक शिक्षक परिवार में हुआ। आपके पुज्य पिताजी एवं माताजी शासकीय शिक्षा विभाग में अध्यापक थे। वह वर्ष 1971 में पेंड्रा से भोपाल आयें। उन्होंने 1974 में भारतीय स्टेट बैंक में कृषि अधिकारी के पद पर सेवाएँ शुरू की। वर्ष 1974 से 1990 तक काम किया मगर मन में कुछ अलग काम करने के विचार आते रहे और सन 1990 में अपनी बैंक की नौकरी से त्याग पत्र देकर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए एच के. कलचुरी एज्यूकेशन टस्ट का गठन किया। वह इस टस्ट के मैनेजिंग टस्टी बने। इसी समय इन्होंने भोपाल स्थित पष्पा नगर. चौक्से नगर. कन्जन नगर सहित कुछ अन्य कालोनियाँ बसाई।

वर्ष 1993 में इस ट्रस्ट द्धारा मध्य भारत का प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज एलएनसीटी कॉलेज, भोपाल में स्थापित किया। इस कॉलेज के खुलने के बाद श्री जय नारायण चौकसे जी की आगे बढ़ने की ललक और समाज में कुछ करने की लगन बढ़ती गई। इसी चाहत से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ के बड़े शहर इंदौर, भोपाल, जबलपूर, ग्वालियर और बिलासपूर में विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेजेस, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथिक कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज स्थापित किये। वर्ष 2009 में जे के हॉस्पिटल एवं एल एन. मेडिकल कॉलेज की स्थापना भोपाल स्थित कोलार रोड पर की। श्री जय नारायण चौकसे जी का सपना था कि गरीबों को कम पैसे में अच्छा ईलाज मिले और अपना यही सपना साकार करने के लिए उन्होंने अपना जे.के. हास्पिटल का निर्माण किया । इस हास्पिटल में 750 बेड की सुविधा के साथ हॉस्पिटल को शुरू किया। जो जनता की सेवा में उपलब्ध है। इस हॉस्पिटल में सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटि मेडिकल सुविधाओं के अतिरिक्त एम आर आई., सी.टी. रकेन, डिजीटल एक्सरे, बल्ड बैंक भी उपलब्ध है और इस हॉस्पिटल को खोलकर गरीबों पिछडे वर्ग के लोगों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ शुरू की। एच.के. कलचुरी एज्यूकेशन ट्रस्ट के अर्तर्गत 28 कॉलेजों का संचालन हो रहा है। सभी कॉलेजों में गरीब एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही छात्रवृत्ति भी दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस आज भारत का बडा नाम है।

एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में पढाई के बाद निरंतर प्लेसमेंट में लगभग शतप्रतिशत छात्र चयनित होकर देश विदेश में नौकरी कर रहे हैं। इस ग्रुप के 28 संस्थानों में लगभग 5000 से ज्यादा कर्मचारियों को रोजगार दिया गया है। श्री जय नारायण चौक्से जी ने आरम्भिक काल में गरीबों. श्रमिक वर्ग कर्मचारियों के हितों एवं कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहे । श्री जय नारायण चौकरो जी ने शिक्षा के अलावा रियल स्टेट, हेल्थ केयर, शूगर मिल्स आदि की भी स्थापना की । वर्ष 2015 में



www.LNCTU.ac.in

BJMC | MJMC



♀ J.K. Town, Sarvadharam, Kolar Road, Bhopal

EXPERT TALK BY DR. SAPAN JAIN



🚾 कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्थी



छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए एल.एन.सी.टी विश्वविद्यालय में हुआ ईडीआईआइसी का उदघाटन समारोह



दनिया भर में नौकरियों की कमी देखी जा रही है फिर चाहे वो सरकारी क्षेत्र हो या निजी क्षेत्र और इसी कारण से भारत के साथ अन्य कई देशों के नौजवान बेरोजगारी की समस्या का सामना कर रहे हैं। ऐसे में बच्चों के सनहरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए एल एन सीटी विश्वविद्यालय में 12 सितम्बर को उद्यमिता विकास एव औधोगिक सहभागित। सेल का उद्घाटन समारोह अयोजित किया गया। कोरोना महामारी के चलते दूरी बनाए रखने के लिए यह समारोह ऑनलाइन सम्पन्न हुआ।

इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धे, चेयरमैन ए.आई.सी.टी.ई उपस्थित थे जिन्होंने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह नीति पूर्णतः छात्र हित में है। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि - (विश्वविद्यालयों में ना केवल एक विषय अपितु हर तरह के विषय की पढ़ाई होनी चाहिए। एल्एनसीटी विश्वविद्यालय एक बहुत अच्छा उदाहरण है जहाँ विभिन्न क्षेत्रों की पढ़ाई करवाई जा रही है। अतः नई शिक्षा नीति के अनुसार जो हम बहुविषय होने का सपना देख रहे हैं उस सपने को एलएनसीटी पहले से ही पूरा कर रहा है इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ईडीआईआइसी सैल को स्थापित करने की जो पहल है उसकी सराहना की और अपनी शुभकामनाएँ दी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. गोविन्द प्रसाद शर्मा, चेयरमैन नेशनल बुक ट्रस्ट तथा

जहाँ एक तरफ प्रो. गोविन्द प्रसाद शर्मा ने भारत को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में उपस्थित सभी का मार्गदर्शन किया तथा विभिन्न प्रकार के उदाहरण से समझाया की किस प्रकार हम भारत को आत्मनिर्भर बनाये। वहीं ढूसरी और प्रो. उन्नत पी. पंडित ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों के द्धारा हो रहे स्टार्टअप मे हम उनकी सहायता करें तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रीत्साहित करें और इसी के साथ उन्होंने अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को भी बच्चों के लिए स्टार्टअप फड शुरूकरके एक नई पहल करनी चाहिए। इस समारोह में एल.एन.सीटी समूह के कुलाधिपति माननीय जे एनँ चौकसे तथा सचिव डॉ.अनुपम चौकसे भी उपस्थित थे जिन्होंने अपने मधूर वचनों से उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ.अनुपम चौकसे ने बताया कि एल एन सीटी की टीम सदैव ही इसी प्रयास में रहती हैं कि हमारे यहाँ के छात्र ना केवल नौकरी करे बल्कि इस लायक बने कि वह दूसरों को नौकरी दे सके। ई.डी.आई.आई.सी. सेल के अध्यक्ष अमन शुक्ला व कार्यकारी निदेशक विराट जायसवाल ने कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 60 से अधिक मैम्मर्स एडवाईजर के रूप में इस सेल से जुड चुके हैं जो छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रो एन के थापक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस बीच कार्यक्रम का संचालन आर्किटेक्ट विभाग की एच ओ डी डॉ शीतल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर एल.एन.सी.टी. समृह की वाईस चेयरपर्सन पुनम चौकसे, एल.एन.सी.टी. समृह के कार्यकारी निदेशक धर्मेन्द्र गुप्ता तथा एञ्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्वेता चौकसे व मैनेजिंग डायरेक्टर पूजा चौकसे भी इस अवसर पर उपस्थित रही इसी के साथ एल एन सी.टी. समूह से डॉ. अशोक राय, डॉ. सुनील सिंह व

ई.डी.आई.आई.सी. प्रकोष्ठ के बोर्ड मैम्बर सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्षों व 300 से अधिक फैकल्ट मैम्बरर्स की ऑनलाइन सहभागिता रही। एलएनसीटी विश्वविद्यालय द्धारा ईडीआईआइसी सेल को स्थापित करना एक अनुठी पहल है। जिससे आने वाले समय में बच्चों कि बहुत सहायता होगी उन्हें न

केवल नौकरिया मिलेंगी अतः वह दूसरों को भी नौकरिया देने में सक्षम होंगे

SCHOOL OF ARCHITECTURE, EDIIC LNCTU SIGNED MOU WITH ASSOCHAM



With the green initiative to cure and care our mother earth, ASSOCHAM GEM, Green Building Council, serving nursday, signed Memorandum of Understanding (MoU) with the School Architecture, EDIIC, LNCT University, Bhopal. The MoU was signed in a video conferencing on 24th of September in the presence of more than 2000 members who joined the virtual platform to be a part of this historical moment along with the prominent speakers and leaders of ASSOCHAM, LNCTU, Board Members of EDIIC and other institutions as well.

The MoU is aimed at benefitting students of architecture associated with EDIIC through several programs such as internships, seminars, competitions, student exchange programs etc. making them self-reliable.MoU was signed by Mr. Anupam Chouksey, secretory LNCT Group, Head EDIIC Aman Shukla, Principal School of Architecture Dr. Sheetal Sharma, and Vice Chancellor Mr. NK Thapak.

 $Speaking \ on \ behalf \ of \ LNCT \ University, \ Shri \ \ Jaynarayan \ Chouksey \ , \ Chancellor/Chairperson \ LNCT \ University$ showed gratitude towards the MoU signed between LNCTU and ASSOCHAM, and he also promised to give vital support in the green program of sustainability successful. Dr. Narendra Kumar Thapak, Vice chancellor LNCT University added that the MoU will be a great success and also beneficial for LNCT and ASSOCHAM as well, Principal School of Architecture Dr. Sheetal Sharma gave a brief presentation the achievements and events done by LNCTU to attain sustainability and she also assured that LNCT University will be actively participating and lead in the program of getting sustainable and green.

The video conference was hosted by Mr.Neeraj Arora, Sr. Director of ASSOCHAM, the first speaker Mr. Ar. Vijay Garg, Past Acting President and joint chairman of ASSOCHAM GEM trainings and developing committee said that ASSOCHAM is working for the Nationwide Agenda to connect all the citizens of India and also the budding young generation of engineers and architects responsible for creating new trends in new India altogether to make a green livable environment.

Mr. Pankaj R. Dharkar, the National Chairman of ASSOCHAM National Council For GEM added that GEM is a transparent and affordable program, and a big initiative towards building green, sustainable buildings all over across Indian states, initially starting with creating awareness amongst the higher educational institutions of India. He also said that the program includes construction of well secured buildings keeping light and fire security in mind, the program also aim at keeping the data of each constructed building and capturing power and water consumption making it easier for the living of next generation.

The MoU ceremony ended up with the enlightened hope of creating green, sustainable and secured buildings and also with the dream of years of huge success in the field of better living conditions all over India.

- Shruti Goyal

संरक्षण – श्री जे.एन. चौकसे, डॉ. अनुपम चौकसे | मार्गदर्शक – प्रो. (डॉ.) एन.के. थापक | संपादक – डॉ. अनु श्रीवास्तव | संपादन सहयोग – संदीप शिवहरे, निशांत,रंजन, क्षितिज | डिजाइन ले–आउट–अनूप विश्वकर्मा | छायांकन सहयोग–साक्षी रस्तोगी (एलएनसीटी विश्वविद्यालय के लिए पत्रकारिता एवं मास कम्यूनिकेशन विभाग द्धारा संपादित) www.LNCTU.ac.in | एलएनसीटी विश्वविद्यालय, जे.के. टाऊन, सर्वधर्म सी-सेक्टर, कोलार रोड, भोपाल -462042 म.प्र.

SAMSUDDIN ANSARI

School of Pharmacy (LNCT Univesity) Bhopal

Monday, 05 October 2020

COURSE OFFERED

COURSE OFFERED					
Name of the Programme	Minimum Duration	Branch/ Specialization			
School of Engineerin	g & Informa	tion Technology			
B.TECH.	4 Years	Mining			
	4 Years	CSE			
	4 Years	CSE (AI&ML) Samatrix			
	4 Years	CSE (Data Science) Samatrix			
M.Tech.	2 Years	CS/VLSI/Digi Comm /Design/ Structure Engg.			
University Polytechn	ic				
Diploma in Engineering	3 Years	CS/EC/CE/ ME/MINING			
School of Commerce	& Managen	nent			
BBA	3 Years				
BBA (BI & Analytics)	3 Years				
MBA	2 Years				
MBA (Data Analytics & Visualization) Samatrix	2 Years				
B.Com.	3 Years				
B.Com. (Taxation/ CS/Banking)	3 Years				
B.Com. (Hons.)	3 Years				
M.Com.	2 Years				
School of Hotel Mana	agement & T	ourism			
Dip in Production	1 Years				
BBA-HM	3 Years				
Bachelor of Hotel Mngt.	4 Years				
МНМСТ	2 Years				
School of Arts & Scie	nce				
B.Sc. (PCM/PCB)	3 Years				
M.Sc.	2 Years				
B.A./B.Lib.	3 Years				
B.A. (Psy)	3 Years				
B.A. (Eco/Pol)	3 Years				
M.A./M.Lib.	2 Years				
MA (PSY/ECO)	2 Years				
Sports Education					
BPES (Bachelor of Physical Ed. & Sports)	3 Years				
MPES (Master of Physical Ed. & Sports)	2 Years				

School of Journalism	n & Mass Con	nmunication
ВЈМС	3 Years	
MJMC	2 Years	
School of Pharmacy		
D.Pharma	2 Years	
B.Pharma	4 Years	
M.Pharma	2 Years	
(P'Ceutics/		
P' Cology)		
School of Computer	, Science & T	echnology
B.Sc.CS/IT	3 Years	
BCA	3 Years	
BCA (AI & Data Analytics) Samatrix	3 Years	
BCA (Data Sc.) Samatrix	3 Years	
MCA	2 Years	
MCA (AI & ML) Samatrix	2 Years	
MCA (Data Sc.) Samatrix	2 Years	
L N Nursing College		
GNM	3 Years	
P.B.B.Sc.	2 Years	
B.Sc. Nursing	4 Years	
M.Sc. (N)	2 Years	
School of Paramedi	cal Studies	
MPT	2 Years	1.OBG 2. Neuro 3. Ortho 4.Cardio 5.Sports
MMLT	2 Years	1. Hematology 2. Histopathology 3. Microbiology 4.Biochemistry
BPT	4 Years	
BMLT	3 Years	
DMLT	2 Years	
Other Diploma	2 Years	
OT Tech	1 Years	
J K Paramedical Col	lege	
BPT	4 Years	
BMLT	3 Years	
DMLT	2 Years	
School of Architectu	ıre	
B.Arch.	5 Years	
B.Plan.	4 Years	
B.Des.	4 Years	

School of Legal Stud	ies	
LLB	3 Years	
BALLB	5 Years	
BBALLB	5 Years	
LLM	1 or 2 Years	
School of Agiculture	Science	
B.Tech. (Agricultural Enginnering)	4 Years	
B.Sc. (Hons.) Agriculture	4 Years	Agiculture
M.Sc. (Agriculture)	2 Years	1. Agronomy, *(Horticulture) 2. Fruit Science, 3. Vegetable science, 4. Soil Science & Soil Chemistry, 5. Genetics & Plant breeding 6. Agri. Extension Education
L N Ayurved College		
BAMS	4.5 Years	
School of Medical Al	lied Science	S
M.SC. (MED)	3 Years	
BHM (HOSPITAL MNGT)	3 Years	
MHM (HOSPITAL	2 Years	
MNGT)		
MNGT)	3 Years	
MNGT) J N Nursing College	3 Years 2 Years	
MNGT) J N Nursing College GNM		
MNGT) J N Nursing College GNM P.B.B.Sc.	2 Years	

FOR ADMISSION ENQUIRY

www.LNCTU.ac.in

admission@LNCTU.ac.in

\(7440777222, 7440777111 7440777555



PHARMACY AS A NOBLE PROFESSION:

Pharmacy is a fast growing, dynamic, versatile and increasingly diverse profession which provide a several opportunities to serve the Nation. Pharmacists comprise the third largest healthcare professionals in the

world and pharmacy profession has been evolving steadily over the last decade in India. Today, pharmacists have expanded their role from dispensing to pharmaceutical care by maximizing the benefits of medications and their safety. Since the last decade, pharmacy profession in India is evolving due to industrialization and increase in patient needs, leading to an increase in the demand of pharmacists. This profession now transformed into a hub for "Global Healthcare" and and evolved as a multidisciplinary and multifaceted field. Recently the Pharmaceutical industry and health sector has thrown open a sea of opportunities for Pharmacy Profession. Careers in pharmacy offer many benefits and opportunities. These include working in the community, a hospital, home health care, pharmaceutical research companies, nursing homes, government health agencies, and higher education. In addition, pharmacy has excellent earning potential and is consistently ranked as one of the most highly trusted professions due to the care and service pharmacists

The role of pharmacist is constantly evolving as

Community Pharmacy: The community pharmacists are the most accessible healthcare professionals to the public. They provide health / medical facilities and dispense medicines in accordance with legal and ethical permission, either on prescription or as over-the-counter (OTC) medicines. They also bridge the gap between doctors and patients for optimal and rational use of the medicines.

Hospital Pharmacy: Hospital Pharmacists are a vital part of the healthcare team. Working in either the NHS or private hospitals, clinics, and other healthcare settings. they are involved in direct patient care.

Industrial Pharmacy: Industrial Pharmacists are involved in the research, design, development and testing of new medicines and treatments, ensuring their safety and quality. They also work in areas such as marketing,

Primary Care Pharmacy: Primary Care Pharmacists play a significant part in managing medicines. They have a strategic role to focus on maximising benefit and minimising risk associated with medicines as well as making the best use of resources allocated for medicines.





नेगेटिव के बीच कुछ पॉजिटिव, जेके अस्पताल में कोरोना पेशेंट का मनाया बर्थ हे

www.LNCTU.ac.in



भोपाल में जेके हॉस्पिटल कोविड सेंटर से कुछ अच्छी खबरें सामने आ रही हैं। कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड रहे. मरीजों द्धारा वार्ड में ही भर्ती मरीज डॉ. विनोद राय का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

इस अवसर पर जेके अरपताल संचालक डॉ. अनुपम चौकरो के द्धारा डॉ. विनोद को फ़ोन के माध्यम से शुभकामनाए दी गई। रीवा निवासी डॉ. विनोद राय जो कि पहले रीवा मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर रह चुके हैं वर्तमान में उनका टीकमगढ़ में निर्सिंग होम भी है अभी कुछ समय पहले कोरोना के लक्षण होने पर वह जे के हॉस्पिटल के कोविड सेंटर के वार्ड C3 में भती हुए थे। डॉ. विनोद के जन्मदिन के अवसर पर केक काटा गया। इस दौरान डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ सहित वहां मौजूद मरीजों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढाया और उनके दीर्घायु होने की कामना करते हुए बधाई दी।

विपरीत परिस्थितयों में भी खुशी के छोटे-छोटे पल नवीन ऊर्जा का संचार करते हैं। डॉ विनोद ने इस अवसर पर सभी को धन्यवाद दिया और परिवार से दूर होने पर भी जे के अस्पताल के कर्मचारियों को उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। अत्यत हर्ष का विषय हैं कि अब तक लगभग एक हज़ार कोरोना सक्मित मरीज जे के अस्पताल से स्वस्थ होकर अपने घर लौट चके हैं।

जे.के. अस्पताल से एक और अच्छी खबर: पिछले पचास दिनों में 1000+ कोरोना मरीज स्वस्थ हुए

देश में बढ़ते कोरोना मामलो के बीच जहां पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है वहीं भोपाल के जे के अस्पताल से लगातार अच्छी और राहत भरी खबरें सामने आ रही है, अब इसी कड़ी में जे के अस्पताल ने 50 दिनों में 1000 कोरोना मरीजों को स्वस्थ कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है स्वस्थ हुए कोरोना मरीज जेके अस्पताल के डॉक्टरों को धन्यवाद तथा उनकी प्रशंसा कर रहे हैं और इसे जेके अस्पताल के पूरे मेडिकल स्टाफ के प्रयास और मेहनत की जीत बता रहे. हैं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त जेके अस्पताल से आने वाले समय में और भी राहत भरी खबरें सामने आने की पूरी उम्मीद है **- फीना लीमा**



इस शाखा में वर्णीत अनेक औषधीयाँ जैसे गुड्वेल, आमलकी आदि तथा कल्प जैसे च्यवनप्राश, ब्रम्हरसायन आदि कोरोना वायरस से लड़ने मे उपयोगी हैं



कोरोना समय मे स्वस्थ

– डॉ. स्वाती बमानोते

लोगो की जीवन शैली में काफी बदलाव आया है जिस के कारण अन्य जीवन शैली जन्य विकार जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, अवसाद आदि होने सभावना काफी बढ गयी है ऐसे समय में स्वरथ जीवन शैली तथा योग और प्राणायाम वरदान साबित हो सकते हैं



कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्थी

कोरोना वायरस से

लड़ने मे आयुर्वेदीक रसायन चिकित्साप

योगी

कोरोना वायरस से लड़ने मे आयुर्वेद प्रकृति सिद्धात उपयोगी हो सकता है



कोरोना के संकट काल में लॉक डाऊन के कारण

कोविड–19 वायरस यह कोरोनोवायरस परिवार का ही एक सदस्य है। जिसे आमतौर पर कोरोनोवायरस के नाम से जाना जाता है। जो इससे पहले कभी सामने नहीं आया। इस वायरस का नामोल्लेख आयुर्वेद में नहीं है परतृ इस प्रकार के बिमारियो का उल्लेख है आयुर्वेद

शास्त्र मे प्रकृति यह एक मौलिंक सिद्धांत है कोरोना वायरस (कोविड-19) के संदर्भ में भी देखा गया है कि कुछ रुग्णों में इस के लक्षण अल्प तथा कुछ में इस के लक्षण अति तीव्र स्वरूप के दिखाई देते हैं इस परीपेक्ष मे आयुर्वेद प्रकृति सिद्धात उपयोगी हो सकता है



दूसरे सभी अस्पतालों से अलग और बेहतर बनाता है

Dr. Sapan Jain,

Principal & HOD, Department of Kayachikitsa, L.N. Ayurved College and Hospital, Bhopal, India.

कोरोना को हराने वाले मिलकर बोले, जे के अस्पताल ने हमें जीतना सिखाया

दिन वे जेके अस्पताल में भती रहे , उन्हें यह महसूस ही नहीं हुआ कि वे अपने घर से दूर है प्रदीप शर्मा बताते हैं कि अस्पताल में डॉक्टर नियमित रूप से उनका उपचार करते थें और स्टाफ के सभी लोग उनका सहयोग कर रहे थें साथ ही वे कहते हैं कि सभी कोरोना मरीज योगा भी करते थे और मनोरंजन के लिए टीवी भी देखते थे ें जेके अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताते हुए प्रदीप शर्मा कहते हैं कि अस्पताल में मिलने वाली सभी सुविधाएं बहुत ही उत्तम है मरीजों को भोजन के लिए समय पर पौष्टिक और स्वादिष्ट आहार दिया जाता है अस्पताल का साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रहता है और अस्पताल में चारों तरफ का वातावरण हमेशा स्वच्छ रहता हैं प्रदीप शर्मा को पेंटिंग करने का शौक हैं वे जेके अस्पताल के डॉक्टर व उनकी टीम और पूरे स्टाफ को हृदय पूर्वक धन्यवाद देना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने जेके अस्पताल को एक पेंटिंग बनाकर भेंट की वहीं एक और मरीज जो कि पेशे से चिकित्सक हैं, अगम्य सक्सेना बताते हैं कि जिस दिन उन्हें यह पता

चला कि वे कोरोना से संक्रमित है, उस दिन ही उन्होंने यह निर्णय कर लिया था कि वे अपना इलाज जेके अस्पताल में ही कराएंगें क्योंकि वे जानते थे कि जेके

अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाएं बहुत ही बेहतर हैं` अगम्य सक्सेना कहते हैं कि जैसी अपेक्षा उन्होंने की थी उससे भी भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उनको जेके

इसी कडी में अञ्जू शर्मा कहते हैं कि जब उन्हें पता चला कि वह कोरोना से संक्रमित हैं, तब उनके मन में घबराहट थी पर जब वे इलाज के लिए जेके अस्पताल में

भती हुए तब उनकी घबराहट दूर हो गई अज्जू शर्मा बताते हैं कि जेके अस्पताल में वो योगा करते थे, दूसरे मरीजों के साथ बातचीत भी करते थे, मनोरंजन के लिए

इसी तरह से अनेक लोग जो जेके अस्पताल में कोरोना का इलाज कराकर गंभीर वायरस को मात दे चुके हैं , जेके अस्पताल को धन्यवाद कर रहे हैं कोरोना जैसी

भयाभय महामारी के बीच जेके अस्पताल द्धारा तत्परता से कोरोना मरीजों का उपचार करना और उन्हें सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना जेके अस्पताल को

अस्पताल में प्राप्त हुई हैं डॉक्टर की टीम हो या नर्स या फिर सफ़ाई कर्मचारी सभी ने पूरी मानवीयता के साथ उनके प्रति व्यवहार किया

टीवी भी देखते थे अज्जू शर्मा के अनुसार जेके अस्पताल में स्वास्थ्य के लिहाज से मिलने वाली सभी सुविधाएं सर्वश्रेष्ठ हैं।

डॉक्टरों तथा मेडिकल स्टाफ ने कभी महसूस ही नहीं होने दिया था कि हम गंभीर कोरोनावायरस से संक्रमित थे, यह कहना है स्वस्थ हुए उन मरीजों का जो कोरोनावायरस से संक्रमित थे और जेके अस्पताल में अपना इलाज करा रहे थे गौरतलब है कि

कोलार रोड, भोपाल में रिश्वत जेके अस्पताल में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए कोविड सेंटर बनाया गया है, जिसमें कोरोना मरीजों का इलाज किया जा रहा है, तो वहीं अब बड़ी संख्या में मरीज कोरोना को हराकर, पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से वापस घर लौट रहे हैं और जेके अस्पताल के डॉक्टर व उनकी टीम और अस्पताल के पूरे स्टाफ की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं, साथ ही उन्हें धन्यवाद दे रहे. हैं जेके अस्पताल में इलाज कराकर स्वस्थ हुए कोरोना मरीजों ने अस्पताल में प्राप्त सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को सर्वश्रेष्ठ बताया है और सभी ने एक स्वर में कहा है कि अस्पताल हो तो जेके अस्पताल की तरह ही हो जेके अस्पताल को लेकर राय जानने के लिए, हमने उन लोगो से बात की जिन्होंने जेके अस्पताल में इलाज कराकर कोरोना को मात दी हैं बात करने पर ६३ वर्षीय प्रदीप शर्मा जो कि कोरोना से संक्रमित थे बताते हैं कि कोरोना के इलाज के लिए जितने

Ayurveda the natural science of disease management provides several concepts for maintaining normal health status. The good health as per ayurveda mainly depends upon pattern of daily regimen. Food habits, sleeping time, environmental conditions and genetic factors also affects health of an individual. In this connection ayurveda suggests concept of Swasthavritta which not only helps to maintain optimum health but also prevent disease prevalence especially infectious disease. The global population currently fighting again pandemic outbreak and it is believed that basic principles of ayurveda related to the hygienic condition may help to prevent infections up to some extent.

The science of healing originated from India more than 3,000 years ago named Ayurveda encompasses knowledge of health management and disease prevention. Ayurveda suggests specific lifestyle and some natural therapies to maintain balances of body and mind. Internal purification, herbal remedies, Yoga and meditation, etc. are some approaches of Ayurveda which helps to retain optimum health .The health of an individual greatly influences by specific Doshas and Prakriti (internal constitution) also play vital role towards the physiological integrity of a person. Ayurveda principles not only help to balances vitiated Doshas but also provide therapeutic modalities as per the Prakriti of person. The various approaches of Avurveda eliminate impurities, increases resistance, balances natural harmony and boost immunity thus helps to prevent prevalence of infectious diseases.

General Overview on COVID-19

The pathological condition Corona Virus Disease (COVID-19) arises due to the infection of Corona viruses which also known as Severe Acute Respiratory Syndrome Corona Virus-2 (SARS-CoV-2). World Health Organization considered COVID-19 as outbreak a pandemic. The major symptoms of disease are fever, cough and breathing difficulty. Tiredness, runny nose, aches, sore throat and headache also occurs sometimes. The severity of symptoms varies from mild to severe and depends upon health status of person. Elderly people person with heart disease, lung disease and diabetes may be at higher risk of fatal illness. The disease mainly spreads through close contact, spreads by droplets released by infected person during coughing and sneezing. The virus also spread through surface if person touches surface with virus and uses same hand for touching his/her mouth and nose then disease may occurs. Sometimes disease may associates with complications like Pneumonia and organ failure.

General Guideline for Prevention

- One should avoid social gatherings and unnecessary travelling. Close contact with infected person must be avoided.

· Washing of hands with soap frequently.

Impact of Ayurveda towards the Maintenance of Public **Health and Related Recommendation** for Current Pandemic Outbreak

- · Uses of alcohol based sanitizer regularly.
- · Covering of mouth and nose while coughing or sneezing.
- One should avoid touching of nose, mouth and eyes.
- Infected person must be isolated or guarantined from common peoples.

One should maintain hygienic condition regularly.

Ayurvedic Suggestions

Swasthvrittais one of the important aspects of ayurveda which described way of healthy living; the general

1. Pratarutthanam : Good Conduction of Dincharya starts with Pratarutthanam means to get up early in the morning before sunrise. It imparts refreshing and rejuvenating effects, boosts immunity and improves capacity of lungs thus help in respiratory distress.

Ushapana/Achaman means cleaning or washing of hands and feet which also recommended by health organization to prevent COVID-19 infections. Ushapana/Achaman(washing of hands) helps to reduces risk of infections through the

3. Dantadhavan: Dantadhavan means cleaning of teeth and tongue using Arka, Nimba and Karanja, Dantadhavan helps to removes accumulated filth, it may reduces susceptibility of infections, maintain hygienic conditions of mouth and throat. Dantadhavan cleans mouth and throat therefore enhances respiratory functioning thus help to prevent throat infections and other respiratory diseases.

4. Gandush: Gandush means gargling or cleaning of oral cavity and throat with lukewarm. This technique also recommended by health organizations which may help to reduce susceptibility towards the respiratory infections. Gandush helps to prevent diseases of oral cavity, sore throat and other throat infections, etc .It is suggested to take Gandush & Kawal using sesame or coconut oil followed by use of warm water, this procedure can be done twice a day to relieve throat problems.

5. Nasyakarm: Nasyakarm means uses of nasal medication into each nostril in morning time. This techniques cleans nasal pathways, prevent infections, alleviates throat distressand clear nasal congestion thus can be used as preventing measure to reduces risk of current pandemic infectious diseases. Pratimarsh nasya advised daily which can be done

using nasal application of sesame oil in nostrils to clears nasal and respiratory passage